।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(अंतर्गत – श्री अ.भा.सा. जैन संघ)

आमंत्रण–पत्र

बैठक क्रमांक : 2/वर्ष 2021–23 **दिनांक : 11 जून 2023**

विशेष आम सभा

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति की सत्र 2021–23 की विशेष आम सभा श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति की गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा जी मेहता की अध्यक्षता में 3 जुलाई 2023, सोमवार दोपहर 01:30 से नीमच (म.प्र.) में आयोजित होनी प्रस्तावित है। महिला समिति के समस्त साधारण–आजीवन सदस्याएं, शीर्षपदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष–महामंत्री, सभी अंचलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, प्रवृत्ति संयोजिकाएं, कार्यसमिति सदस्याएं, विशेष आमंत्रित सदस्याएं एवं अंतर्गत संस्थाओं के सदस्य एवं पदाधिकारी सादर आमंत्रित हैं।

:: कार्यसूची ::

1. मंगलाचरण एवं संकल्पसूत्र वाचन।
2. विगत वार्षिक आम सभा (दिनांक 28 सितम्बर 2022, उदयपुर में आयोजित) के कार्यवृत्त की स्वीकृति, अंगीकृति एवं अनुमोदना।
3. अध्यक्षा अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
4. सत्र 2023–25 के लिए राष्ट्रीय अध्यक्षा का मनोनयन।
5. राष्ट्रीय अध्यक्षा उद्बोधन।
6. संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।

कृपया अवश्य पधारें।

::: विनीत :::

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

बैठक स्थल : – नीमच (मध्यप्रदेश)

विशेष : बैठक में प्रतिभागिता के सुअवसर के अलावा आपको अत्र विराजित शास्त्रज्ञ, तरूणतपस्वी, प्रशांतमना, नानेश पट्टधर पूज्य आचार्य–प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. व बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेश मुनि जी म.सा. व आज्ञानुवर्ती संत/सतिया जी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन, वंदन, प्रवचन का लाभ सहज ही प्राप्त होगा।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

विगत वार्षिक विशेष आम सभा

कालावधि	:	**2021-23**	**बैठक क्रमांक**	:	**1**
दिनांक	:	**28 सितम्बर 2022**	**समय**	:	**सायं 08:00 बजे से**
प्रतिभागी सदस्य	:	**120-135 (लगभग)**	**सुगमकर्ता**	:	**राष्ट्रीय महामंत्री**
बैठक स्थल	:	**श्री अटल बिहारी वाजपेयी सभागार, उदयपुर (राज.)**			

वार्षिक आम सभा कार्यवृत्त के मुख्य बिन्दु

दिनांक 28 सितम्बर 2022 को उदयपुर में नवकार मंत्र के साथ महिला समिति की आमसभा का शुभारंभ हुआ। मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्षा, राष्ट्रीय महामंत्री व पूर्व राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में सभी महिला सदस्यों को साधुमार्गी संकल्प का वाचन करवाया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा अधिवेशन और संघ स्थापना दिवस पर सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज से **60 वर्ष पूर्व** आज के ही दिन इसी पावन धरा **उदयपुर में गौरवशाली संघ की नींव** रखी गई। सभी श्रावक–श्राविकाओं का कर्त्तव्य है कि संघ के चहुँमुखी विकास को तीव्रगति से प्रगतिपथ पर आगे बढ़ाए ऐसे ही प्रेरणादायी उद्बोधन के अंत में महिला समिति की आय व व्यय का ब्यौरा दर्शाया गया।

श्रीमती कंचनजी कांकरिया ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि जैन धर्म का प्रभावशाली नवकार महामंत्र प्रत्येक जैनी के गले का हार है। इसीलिए इसे सर्वश्रेष्ठ मंत्र कहा जाता है।

सुलेखा जी मोगरा ने महिला समिति द्वारा संचालित प्रवृत्तियां केसरिया कार्यशाला, युवती शक्ति, वुमेन्स मोटिवेशनल फॉर्म, परिवारांजलि, सर्वधर्मी, छात्रवृत्ति एवं संगठन को 'आपकी अदालत' नामक कार्यक्रम द्वारा प्रभावशाली तरीके से बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्षा ने संघ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर संयम के सजग प्रहरी आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर व समस्त चारित्रात्माओं को वंदन, नमन करते हुए संघ की सेवा और संघ को ऊंचाई पर ले जाने के लिए प्रभावना करते रहने की प्रेरणा दी। प्रभावना का सशक्त माध्यम है प्रवास। सभी सदस्याओं को प्रवास एवं संघ का कार्य पूर्ण मनोयोग से करने के लिए प्रेरित किया।

।। जय गुरु नाना ।। ।। जय महावीर ।। ।। जय गुरु राम ।।

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

(श्री अ. भा. सा. जैन संघ)

प्रवृत्तियां

संगठन

हो Communication हमारा–तुम्हारा

तो Connection बढ़े हमारा ।।

जिस प्रकार अक्षर से अक्षर मिला शब्द और शब्दों से वाक्य व वाक्यों से वक्तव्य इसी प्रकार संघ संगठन को मजबूत करने का एक प्रयास हमारा भी रहे।

स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री एवं संगठन संयोजिकाओं से निवेदन है कि अपने–अपने क्षेत्र में हर 3 कि.मी की दूरी में हर सप्ताहिक/पाक्षिक मंडल लगवाये जाए अगर गांव या शहर 7 कि.मी. से अधिक है तो। उसमें स्थानीय स्तर पर सभी श्राविकाओं को आने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उस क्लास में हर मेम्बर के शक्ति के अनुसार स्वाध्याय, थोकड़े, भजन या फिर धर्मकथा के माध्यम से इसका संचालन किया जाये।

इसी विषय के कुछ नियम :

1. संघ की रीति–नीति, नियम एवं धारणाओं की जानकारी।
2. शुद्ध सामायिक (बिना लाईट और बिना सैल की घड़ी के) या संवर (दोनों में से एक जरूरी)।
3. मंडल की शुरुआत एक नवकार मंत्र से करना।
4. मंडल में Talent वाइज स्वाध्याय, थोकड़ा, भजन, प्रश्नोत्तरी, वक्तव्य कला एवं लेखन आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाये।
5. चारित्र आत्माएं विराजित हो उनके सानिध्य में मंडल लगे।
6. वंदना के पश्चात् दो लाईन संघ समर्पणा गीत।
7. मंगल पाठ एवं एक छोटा–सा प्रत्याख्यान।
8. संगठन की सभी संयोजिकाओं से निवेदन है कि एक से अधिक मंडल लगते हैं तो स्थानीय स्तर पर अपनी टीम बना लेवें।
9. साधुमार्गी परिवार की सभी महिलाओं को आजीवन सदस्य बनाना।
10. धोवन पानी की पूरजोर प्रभावना की जाए।
11. श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति के केसरिया गणवेष में एकरूपता हमारी प्राथमिकता हो।
12. स्थानीय मंडल की चयन प्रक्रिया का आमसभा में होना अनिवार्य है एवं आमसभा की रिपोर्ट अध्यक्ष/मंत्री के नाम सहित केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर में भेजना अनिवार्य है।
13. स्थानीय स्तर पर नई बहू का स्वागत करना।
14. स्थानक की सार संभाल –
    a. स्थानक में किसी प्रकार का (श्रावक/श्राविका) चित्र नहीं होना चाहिए।
    b. स्थानक में जीवों की रक्षा/सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए (जाले नहीं होना)।
    c. स्थानक में रखी गई पुस्तकों का समय–समय पर प्रतिलेखन होना आवश्यक है।

केसरिया कार्यशाला

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति का एक सुदृढ़ प्रयास...

केसरिया कार्यशाला जिसका ध्येय है...

एक आलौकिक संघ। एक अनोखा गणवेश। एक अनूठा कार्य। हर मंडल में। हर जगह...

आगम की अमृत वाणी को कार्य के माध्यम से सरलता से हर मंडल को एक सूत्र में बांध रहा है। तीसरे वर्ष में अभी प्रयास जारी है हर बार नये क्षेत्रों को धर्म से और संघ से जोड़ने का।

युवती शक्ति – श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति के अंतर्गत हमारे संघ की 12 वर्ष से अधिक अविवाहित युवतियों के लिए युवती शक्ति एक मंच स्थापित किया गया है। इस मंच का उद्देश्य है हमारे संघ की प्रतिभाओं को निखारना, उनकी सोच को उनके विचारों को संघ में लाना, उनमें धार्मिक संस्कारों का सिंचन करना, उनको संघ से जोड़ना, जिससे संघ में एक अदभुत शक्ति को हम जोड़ सकेंगे।

A) Discover the Incredible you

B) **गठबंधन**

मोटिवेशनल फोरम – एक प्रोफेशनल व्यक्ति हर कार्य में निपूर्ण हो सकता है और कामयाबी के किसी भी शिखर को छू सकता है, पर जब तक उसमें गुरु के प्रति श्रद्धा और अध्यात्मिकता का विकास नहीं, उसका जीवन अपूर्ण है। इस फोरम से जुड़ी हुई महिलाओं के अध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर, उनके व्यक्तित्व की पूर्णता में सहयोग करना ही इस फोरम का मुख्य उद्धेश्य है।

वुमन मोटिवेशनल फोरम प्रवृति का मूल उद्देश्य है– साधुमार्गी परिवार की महिला प्रोफेशनल का एक मंच तैयार करना! साधुमार्गी परिवार की महिलाएँ जो सी.ए, एम.बी.ए., डॉक्टर, इंजिनियर, वकील, आई.ए.एस. आदि डिग्री के स्तर पर शिक्षित है, भले वर्तमान में वे इन डिग्री का उपयोग नहीं कर पा रहे हों, वे सभी इसी श्रेणी में मान्य होंगे!

परिवारांजलि – पंचसहस्त्री श्रद्धाभिषिक्त परिवारांजलि ग्रहण किए नियमों का दृढ़तापूर्वक पालन करवाने का लक्ष्य रखना एवं नए श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने के लिए अधिक से अधिक प्रभावना करना। स्टीकर्स पेस्टिंग के लिए प्रेरित करना।

सर्वधर्मी सहयोग – "खुद जीएं सबको जीना सीखाएं–अपनी खुशियाँ चलो बांट आएं" इस मूलमंत्र को आत्मसात् करते हुए श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन महिला समिति के तत्वाधान में कई वर्षों से सर्वधर्मी सहयोग की यह प्रवृत्ति निरनतर गतिशील है।

समता छात्रवृत्ति – हमारे समाज के वे अभावग्रस्त छात्र–छात्राएं जो धन के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ की ओर से महिला समिति के तत्त्वाधान में कक्षा 1 से लेकर 12 तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

अन्य

धार्मिक शिक्षण शिविर – मिटिंग के दौरान स्थानीय स्तर अधिक से अधिक शिविर लगाने की प्रेरणा करना।

महिला स्वाध्यायी – स्वाध्यायी सेवा देने के लिए अधिक से अधिक बहनों को प्रेरित करना।

धार्मिक परीक्षा – अंचल के क्षेत्रों में अधिक से अधिक बहनों को धार्मिक परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित करना।

श्रमणोपासक स्थानीय गतिविधियों की रिपोर्ट श्रमणोपासक में देने के लिए समय पर रिपोर्टिंग की प्रेरणा करना।

रिपोर्टिंग सिस्टम – स्थानीय, आंचलिक एवं राष्ट्रीय प्रवृत्ति संयोजिकाओं द्वारा अपने–अपने स्थानीय, आंचलिक, राष्ट्रीय स्तर पर हुए कार्य का प्रति 4 माह का विवरण गूगल फॉर्म द्वारा देने की प्रेरणा देना।

आरूग्गबोहिलाभं I Jain My Jain के द्वारा आयोजित शिविर से जुड़ने की प्रेरणा देना।

उच्च शिक्षा योजना – आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. उच्च शिक्षा योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा योजना से लाभान्वित होने के लिए श्री संघ द्वारा ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है।